सत्र III & IV

पाठ्यक्रम: HIN-600

पाठ्यक्रम का शीर्षक:शोध प्रविधि

श्रेयांक: 04 (60)

शैक्षणिक वर्ष से लागू: 2022-23

पाठ्यक्रम के लिए पूर्वापेक्षित	शोध की सामान्य जानकारी अपेक्षित है।	**घंटे**
उद्देश्य	• विद्यार्थियोंको शोध के इतिहास तथा उसके विभिन्न प्रकारों से परिचित कराना। • विद्यार्थियोंको शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत कराना। • विद्यार्थियोंको शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित कराना। • विद्यार्थियोंको पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत कराना।	
पाठ्य विषय	**1.शोध की अवधारणा एवं स्वरूप** • शोध का इतिहास • शोध के प्रकार • शोध और आलोचना	**12**
	2. शोध की प्रविधि एवं पद्धति • प्राक् कल्पना • साहित्य सर्वेक्षण • विषय चयन • शोध की रूपरेखा • सामग्री संकलन • तथ्यानुसंधान • उद्धरण एवं संदर्भ • संदर्भ-ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट	**18**
	3. पाठानुसंधान की अवधारणा एवं समस्याएँ • पाठानुसंधान की प्रविधि • पाठ संकलन • पाठ चयन • पाठ निर्धारण • पाठानुसंधान की समस्याएँ	**18**
	4. शोध में कंप्यूटर का प्रयोग • इंटरनेट • भाषा और साहित्य संबंधी सॉफ़्टवेयर और वेबसाइट	**12**
अध्यापन विधि	व्याख्यान, वाद-विवाद, संवाद, संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण	

संदर्भ ग्रंथ सूची	1) अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-1.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1987. 2) अग्रवाल, गिरिराज शरण. शोध संदर्भ भाग-2.हिंदी साहित्य निकेतन, बिजनौर, 1989. 3) कुमारी, शैल. शोध: तंत्र और सिद्धांत. लोकवाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1976. 4) तिवारी, सियाराम. पाठानुसंधान. स्मृति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1987. 5) नगेंद्र.शोध सिद्धांत.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली,1967. 6) पांडेय, गणेश. शोध प्रविधि.राधा पब्लिकेशन, दिल्ली, 2005. 7) बोरा, राजमल. अनुसंधान.राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली, 1995. 8) मिश्र, राजेंद्र. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया.तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2002. 9) शर्मा, विनयमोहन. शोध प्रविधि.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1980. 10) शुक्ल, उमा. साहित्यिक शोध: प्रविधि एवं व्याप्ति.अरविंद प्रकाशन, मुंबई, 1990. 11) सिंघल, बैजनाथ. शोध स्वरूप एवं मानक कार्यविधि.वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 1994. 12) सिन्हा, सावित्री, स्नातक,विजयेंद्र. अनुसंधान की प्रक्रिया.नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1960. 13) सिन्हा, सावित्री. अनुसंधान का स्वरूप.आत्माराम ऐंड संस, दिल्ली, 1954.	
अधिगम परिणाम	• विद्यार्थी शोध के इतिहास से परिचित होंगे। • विद्यार्थी शोध के दौरान आने वाली समस्याओं से अवगत होंगे। • विद्यार्थी शोध में कंप्यूटर के उपयोग से परिचित होंगे। • विद्यार्थी पाठानुसंधान की प्रविधि से अवगत होंगे।	